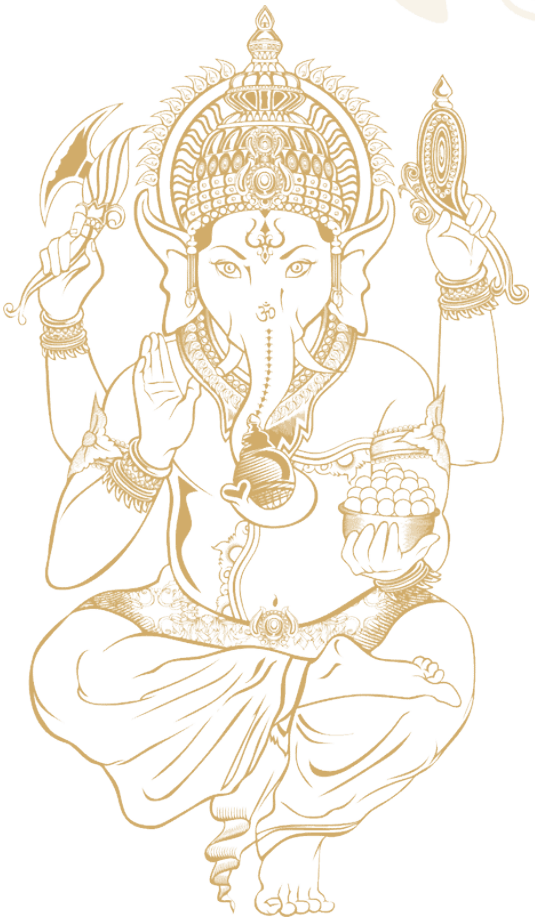

A

21 Sep 2021

09:00 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121592004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/09/2021**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	36:25:50 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:22:32 घंटे
वेलान्तर	00:06:55 घंटे
साम्पातिक काल	20:25:27 घंटे
सूर्योदय	06:25:39 घंटे
सूर्यास्त	18:34:55 घंटे
दिनमान	12:09:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:42:33 कन्या
लग्न के अंश	23:23:41 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:23:41	423:58:43	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	04:42:33	00:58:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			मीन	12:23:21	12:42:52	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	10:08:30	00:38:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	29:45:52	00:31:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु	व		मक	29:19:29	00:05:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			तुला	18:10:39	01:08:01	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	13:02:06	00:01:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		वृष	09:38:49	00:10:00	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	09:38:49	00:10:00	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	20:12:43	00:01:31	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	27:25:48	00:01:38	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	00:12:45	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मक	09:52:47	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:22

लग्न-चलित

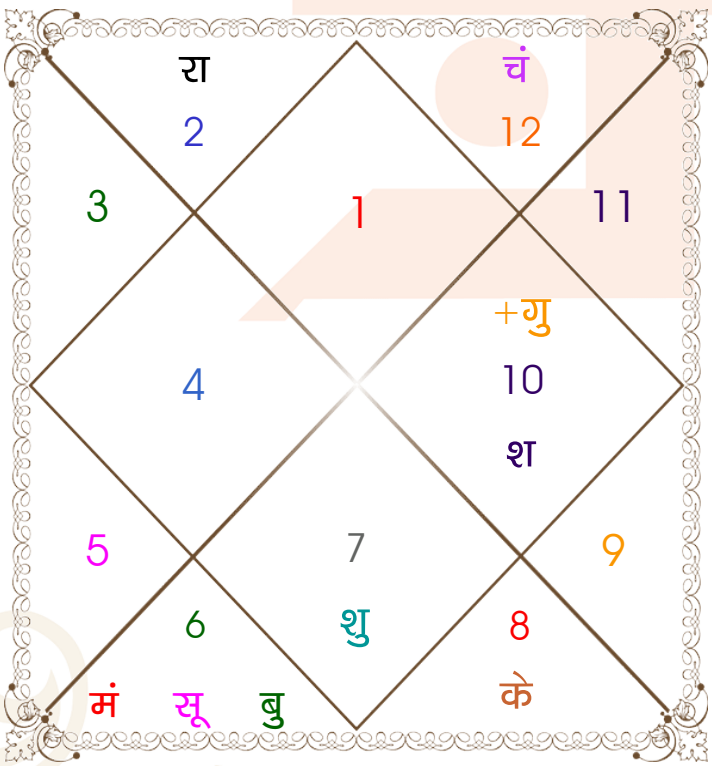

चन्द्र कुंडली

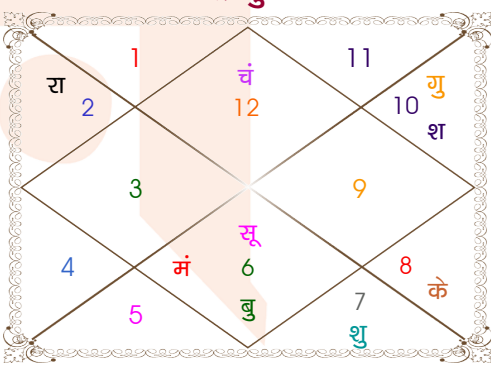

नवमांश कुंडली

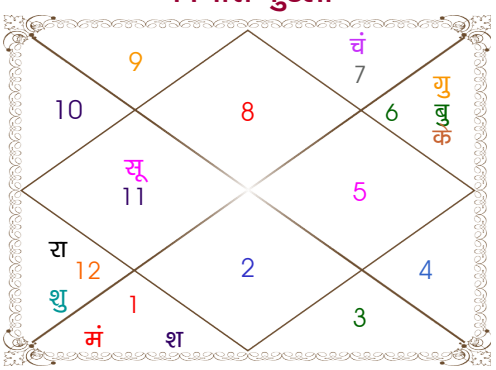

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 1 मास 4 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/09/2021		27/10/2027		26/10/2044		27/10/2051		27/10/2071	
27/10/2027		26/10/2044		27/10/2051		27/10/2071		26/10/2077	
	00/00/0000	बुध	24/03/2030	केतु	24/03/2045	शुक्र	25/02/2055	सूर्य	13/02/2072
	00/00/0000	केतु	22/03/2031	शुक्र	24/05/2046	सूर्य	26/02/2056	चंद्र	14/08/2072
	00/00/0000	शुक्र	19/01/2034	सूर्य	29/09/2046	चंद्र	26/10/2057	मंगल	20/12/2072
	00/00/0000	सूर्य	26/11/2034	चंद्र	30/04/2047	मंगल	26/12/2058	राहु	14/11/2073
	00/00/0000	चंद्र	26/04/2036	मंगल	26/09/2047	राहु	26/12/2061	गुरु	02/09/2074
	21/09/2021	मंगल	24/04/2037	राहु	14/10/2048	गुरु	26/08/2064	शनि	15/08/2075
मंगल	08/06/2022	राहु	11/11/2039	गुरु	20/09/2049	शनि	27/10/2067	बुध	20/06/2076
राहु	14/04/2025	गुरु	16/02/2042	शनि	30/10/2050	बुध	27/08/2070	केतु	26/10/2076
गुरु	27/10/2027	शनि	26/10/2044	बुध	27/10/2051	केतु	27/10/2071	शुक्र	26/10/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/10/2077		27/10/2087		27/10/2094		27/10/2112		27/10/2128	
27/10/2087		27/10/2094		27/10/2112		27/10/2128		00/00/0000	
चंद्र	27/08/2078	मंगल	24/03/2088	राहु	09/07/2097	गुरु	15/12/2114	शनि	31/10/2131
मंगल	28/03/2079	राहु	11/04/2089	गुरु	02/12/2099	शनि	28/06/2117	बुध	10/07/2134
राहु	26/09/2080	गुरु	18/03/2090	शनि	09/10/2102	बुध	03/10/2119	केतु	19/08/2135
गुरु	26/01/2082	शनि	27/04/2091	बुध	28/04/2105	केतु	08/09/2120	शुक्र	18/10/2138
शनि	27/08/2083	बुध	23/04/2092	केतु	16/05/2106	शुक्र	10/05/2123	सूर्य	30/09/2139
बुध	25/01/2085	केतु	19/09/2092	शुक्र	16/05/2109	सूर्य	27/02/2124	चंद्र	01/05/2141
केतु	26/08/2085	शुक्र	20/11/2093	सूर्य	10/04/2110	चंद्र	28/06/2125	मंगल	22/09/2141
शुक्र	27/04/2087	सूर्य	27/03/2094	चंद्र	09/10/2111	मंगल	03/06/2126		00/00/0000
सूर्य	27/10/2087	चंद्र	27/10/2094	मंगल	27/10/2112	राहु	27/10/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।